राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्र

- **बागड़** – राजस्थान का दक्षिणी भाग जिसमें **डूंगरपुर, बांसवाड़ा व दक्षिणी प्रतापगढ़** शामिल है।

☞ **नोट** – यह बागड़ नाम इस क्षेत्र में बोली जाने वाली **बागड़ी बोली** के आधार पर पड़ा है।

- **बांगड़** – अरावली के पश्चिम में जहाँ पुरानी जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है, उसे **बांगड़ क्षेत्र** कहा जाता है जिसका विस्तार पाली, नागौर व सीकर में है।
- **मालव** – राजस्थान के हाड़ौती पठार को **मालव** कहा जाता है जिसका निर्माण ज्वालामुखी के लावे से हुआ है। इसका विस्तार **कोटा, झालावाड़, बारां व बूंदी** में है।
- **मालवा** – इसका विस्तार **प्रतापगढ़ व झालावाड़** क्षेत्र में है।
- **छप्पन का मैदान** – प्रतापगढ़ एवं बांसवाड़ा के मध्य **छप्पन गाँवों** का समूह जो माही नदी के क्षेत्र में आता है **छप्पन का मैदान** कहलाता हैं।
- **छप्पन की पहाड़ियाँ** – **बालोतरा के सिवाणा क्षेत्र में** विस्तृत पहाड़ियों का समूह।
- **मेवल** – **डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा** के बीच पहाड़ी क्षेत्र **मेवल** कहलाता है।
- **मेवात** – **अलवर, भरतपुर** का क्षेत्र **मेवात** कहलाता है जहाँ **मेव** जाति का निवास था।
- **खैराड़** – भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर तहसील का **क्षेत्र खैराड़** कहलाता है।
- **मालखेराड़** – भीलवाड़ा की जहाजपुर तहसील से टोंक के **मालपुरा क्षेत्र के मध्य तक का भाग मालखैराड़** कहलाता है।
- **भौमठ** – उदयपुर तथा डूंगरपुर के मध्य पहाड़ी क्षेत्र **भौमठ** कहलाता है। यहाँ भील जनजाति निवास करती है इसलिए इन्हें **'भौमठ भील'** भी कहा जाता है।

- **भौराठ** – **उदयपुर की गोगुंदा, राजसमंद की कुम्भलगढ़ व प्रतापगढ़ की धरियावद** तहसील का भाग सम्मिलित रूप से **भौराठ** कहलाता है।
- **शेखावाटी** – चुरू, सीकर व झुंझुनूं । यहाँ शेखावत वंश का शासन रहा है इसलिए इसे **शेखावाटी क्षेत्र** कहा जाता है।
- **तोरावाटी** – कांतली नदी का प्रवाह क्षेत्र जहाँ तंवर वंश का शासन रहा है। इसका **विस्तार सीकर व झुंझुनूं** में है।
- **थली** – मरूस्थल के ऊँचे उठे हुए क्षेत्र को **थली** कहा जाता है जिसका विस्तार गंगानगर के दक्षिणी भाग, सरदार शहर (चूरू) एवं बीकानेर में है।
- **तली/तल्ली** – मरूस्थल में बालू के स्तूपों के बीच का नीचे का भाग **तली** कहलाता है जो विशेषकर **जैसलमेर** क्षेत्र में है।
- **ऊपरमाल** – भीलवाड़ा के **बिजौलिया से चित्तौड़ के भैंसरोड़गढ़ के बीच** का क्षेत्र **ऊपरमाल** नाम से जाना जाता है।
- **गिर्वा/गिरवा** – उदयपुर के चारों ओर तश्तरीनुमा पहाड़ी क्षेत्र को **गिरवा** कहा जाता है।
- **कांठल** – प्रतापगढ़ का निकटवर्ती क्षेत्र माही नदी के किनारे होने के कारण **कांठल** कहलाता है।
- **गौड़वाड़ क्षेत्र** – **लूणी नदी का** प्रवाह क्षेत्र विशेषकर पाली व जालौर में विस्तारित है।
- **नेहड़** – **सांचौर** का क्षेत्र।
- **बरड़** – **बूंदी** का पथरीला क्षेत्र।
- **अर्बूद** – **आबू** का प्रदेश।
- **देशहरो** – उदयपुर की **जरगा** एवं राजसमंद की **रागा** पहाड़ियों के बीच का क्षेत्र जो वर्षभर हरा-भरा रहने के कारण **देशहरो** कहलाता है।
- **भाखर** – अरावली क्षेत्र में तीव्र ढलान वाली **ऊबड़-खाबड़** पहाड़ियों को **भाखर** कहते हैं।

राजस्थान के प्राचीन ऐतिहासिक स्थल

- **मारवाड़** – राजस्थान का पश्चिमी भाग जहां **मारवाड़ी बोली** बोली जाती है।
- **मेवाड़** – **उदयपुर, चित्तौड़, राजसमंद तथा भीलवाड़ा** का आंशिक भाग।
- **मेरवाड़ा** – अजमेर व राजसमंद के क्षेत्र को **मेरवाड़ा** कहा जाता है जो **मेवाड़ व मारवाड़** के मध्य स्थित है।
- **ढूंढाड़** – ढूंढ नदी के क्षेत्र को **ढूंढाड़** कहा जाता है। जिसमें **जयपुर, दौसा व टोंक का क्षेत्र** शामिल है।
- **हाड़ौती/हयहय प्रदेश** – **कोटा, बारां, बूंदी व झालावाड़** का क्षेत्र।

⇨ बीकानेर संभाग :

- **राठी** – **25 सेमी. से कम** वर्षा वाले क्षेत्र को **राठी** कहा जाता है जिसका विस्तार बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर में है। इस क्षेत्र में पायी जाने वाली **गायों की नस्ल को राठी** कहा जाता है।
- **यौद्धेय/जोहियावाटी** – ऐतिहासिक काल में **राजस्थान के उत्तरी भाग** को **यौद्धेय** कहा गया जिसका वर्तमान विस्तार गंगानगर व हनुमानगढ़ में है।

  नोट–रामनगर/रामसर – गंगानगर का प्राचीन नाम।
- **नाली क्षेत्र** – **गंगानगर, हनुमानगढ़** का क्षेत्र **नाली** कहलाता है।
- **सारस्वत क्षेत्र** – **गंगानगर, हनुमानगढ़ का क्षेत्र जहाँ पहले सरस्वती नदी** बहती थी इस कारण ये क्षेत्र **सारस्वत** कहलाता है।
- **चुघेर** – **अनूपगढ़** का प्राचीन नाम। **नोट**–**बरोर सभ्यता** अनूपगढ़ में स्थित है।
- **राती घाटी** – **बीकानेर** को कहा जाता है।
- **जांगल प्रदेश** – बीकानेर व जोधपुर के **उत्तरी भाग** को कहा जाता है। जहाँ **कंटीली वनस्पति** पायी जाती है। इसकी राजधानी **अहिछत्रपुर** थी। **अहिछत्रपुर-प्राचीन** समय में **नागौर** को कहा जाता था।

⇨ जोधपुर संभाग :

- **मांड/वल्ल/दुगल** – **जैसलमेर** का क्षेत्र।
- **गुर्जरात्रा क्षेत्र** – जोधपुर का **दक्षिणी भाग** अर्थात **मण्डोर क्षेत्र गुर्जरात्रा** प्रदेश कहलाता है।
- **फलवृद्धिका** – **फलौदी** का प्राचीन नाम।
- **उपकेशपट्टन** – **ओसियाँ व जोधपुर।**
- **मरूधर प्रदेश** – **जोधपुर** का क्षेत्र।
- **त्रवणी** – **जैसलमेर व बाड़मेर।**
- **जबालिपुर** – **जालौर** का प्राचीन नाम।
- **सत्यपुर** – **सांचौर** का प्राचीन नाम।
- **नेहड़** – **सांचौर** का क्षेत्र।
- **चौराई** – **भाद्राजून** का क्षेत्र जो **जालौर** में स्थित है।
- **श्रीमाल** – भीनमाल जालौर का क्षेत्र जिसे **ह्वेनसांग** ने अपने ग्रंथ **सी-यू-की** में **'पीलोमीलो'** कहा।

☞ एक महान यात्री, चीनी बौद्ध भिक्षु, विद्ववान व अनुवादक ह्वेन सांग (वान ह्वेन सांग), जो 627-643 ईसा पूर्व के बीच सिल्क रूट (रेशम मार्ग) से भारत आया था।

- **चन्द्रावती** – यह **सिरोही का प्राचीन नाम** है जहाँ से **भूकम्परोधी** इमारतों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- **पारा नगर** – **पाली** का क्षेत्र।
- **सप्तशत** – **नाडोल व पाली** का क्षेत्र।

➪ उदयपुर संभाग :

- **मेदपाट/प्राग्वाट** – मेवाड़ी क्षेत्र विशेषकर **उदयपुर, चित्तौड़ व राजसमंद।**
- **शिवी** – प्राचीन ऐतिहासिक काल में **उदयपुर व चित्तौड़ को शिवी** कहा जाता था जिसकी राजधानी **माध्यमिका** थी जिसका वर्तमान नाम **नगरी** है।
  - **नगरी** : चित्तौड़
  - **धूलकोट** : आहड़ सभ्यता (उदयपुर)
  - **आघाटपुर** : आहड़ सभ्यता (उदयपुर)
  - **योगिनीपट्टन** : जावर का क्षेत्र (उदयपुर)।
- **दशसहस्त्र** – **उदयपुर, राजसमंद व चित्तौड़** का क्षेत्र।
- **हाड़ी रानी की नगरी/हरावल**– **सलूम्बर** का क्षेत्र।
- **विजयवल्ली** – **बिजौलिया, भीलवाड़ा** का क्षेत्र।
- **राजनगर** – **राजसमंद** का प्राचीन नाम।
- **सिंहाड़** – **नाथद्वारा** का प्राचीन नाम।
- **देवल/देवलिया** – **प्रतापगढ़** का क्षेत्र।

❖ **डूंगरपुर, बांसवाड़ा को निम्न नामों से जाना जाता है :-**

- **वाग्वर**
- **व्याग्रवाट**
- **कुमारिका खण्ड**
- **नागखण्ड**
- **पुष्पक्षेत्र**
- **मेवल**
- **लाटप्रदेश**
- **गुप्तप्रदेश**
- **बागड़**
- **मूंढोल**

⇨ अजमेर संभाग :

- **सपादलक्ष** – **जांगल प्रदेश का पूर्वी भाग** अर्थात् **अजमेर व नागौर** का क्षेत्र जिसकी राजधानी **शाकम्भरी** थी।
- **मेदिनीपुर** – **मेड़ता** का क्षेत्र।
- **तक्षकगढ़** – **टोडारायसिंह व केकड़ी।**
- **कनकावती नगरी** – **केकड़ी** का क्षेत्र।

⇨ जयपुर संभाग :

- **राठ** – **कोटपुतली-बहरोड़ व अलवर का कुल क्षेत्र** जहाँ **अहीर अथवा यादवों का** शासन रहा है इसे **राठ या अहीरवाटी** क्षेत्र कहा जाता है।
- **मत्स्य** – राजस्थान के **अलवर को मत्स्य** कहा जाता है। जो ऐतिहासिक काल में **मत्स्य जनपद था व बैराठ उसकी राजधानी** थी जो वर्तमान में **विराटनगर नाम** से जानी जाती है।
- **मत्स्य संघ** – राजस्थान के एकीकरण के **प्रथम चरण को मत्स्य संघ** कहा जाता है जिसकी राजधानी अलवर थी। 18 मार्च, 1948 के इस चरण में **अलवर, भरतपुर, धौलपुर व करौली** के क्षेत्र को सम्मिलित किया गया।
- **शाकम्भरी** – सांभर का क्षेत्र **शाकम्भरी** कहलाता है। जो **जयपुर** में आता है।
- **रूमा** – **सांभर** का क्षेत्र।
- **आलोर** – **अलवर** का पुराना नाम।
- **साल्व** – **अलवर** का क्षेत्र।
- **कुरू क्षेत्र** – **अलवर का उत्तरी भाग** जिसकी राजधानी इन्द्रप्रस्थ थी।

- अनंतगोचर - सीकर से सांभर तक का क्षेत्र।
- सुजला क्षेत्र - चुरू, सीकर व नागौर का क्षेत्र।
- निम्बार्क का स्थान - नीम का थाना का प्राचीन नाम।

☞ चाकसू (जयपुर) के अन्य नाम: तांबावती, चम्पावती, पहपावती, चाटसू।

⇨ कोटा संभाग :

- ब्रज नगर - झालावाड़ का क्षेत्र।
- उम्मेदपुर छावनी - झालावाड़।
- वृंदावती - बूंदी का क्षेत्र।
- जम्बूअरण्य/रतीदेव पाटन / आश्रमपट्टन - केशोरायपाट्टन, बूंदी का क्षेत्र।

⇨ भरतपुर संभाग :

- शूरसेन - राजस्थान के पूर्वी भाग को कहा जाता है। जिसमें भरतपुर, करौली व धौलपुर का क्षेत्र शामिल है जिसकी राजधानी मथुरा थी।
- बृज क्षेत्र - राजस्थान का भरतपुर क्षेत्र जो यू.पी. से लगता है, बृज कहलाता है।
- कोठी - धौलपुर का क्षेत्र।
- डांग क्षेत्र - धौलपुर, करौली व सवाई माधोपुर का क्षेत्र।
- श्रीपंथ - बयाना, भरतपुर।
- शोणितपुर - बयाना, भरतपुर
- दीर्घापुर - डीग का प्राचीन नाम

राजस्थान : एक सामान्य परिचय

- **प्रिय विद्यार्थियों, राजस्थान के भौतिक स्वरूप को पढ़ने से पूर्व हमें उसका परिचय अच्छी तरीके से समझना है जिससे आगे का अध्ययन करने में आपको सहजता हो, इसके लिए सबसे पहले हम परिचय को निम्न भागों में बांटकर पढ़ते हैं। जैसे-**

परिचय

↓

नामकरण | संभागीय व्यवस्था | जिलों का निर्माण | दिशा | स्थिति | विस्तार | सीमा

⇨ राजस्थान का नामकरण :

- ऋग्वेद में इसका नाम **'ब्रह्मवर्त'** मिलता है।
- वाल्मीकि ने इस प्रदेश के लिए रामायण में **'मरूकान्तार'** शब्द का प्रयोग किया है।
- राजस्थान शब्द का सबसे प्राचीनतम प्रयोग **'राजस्थानीयादित्य'** का लिखित प्रमाण सिमल/खिंवल माता मंदिर **'बसंतगढ़'** सिरोही से प्राप्त शिलालेख में मिलता है। ये शिलालेख विक्रम संवत् 682 का है। इस समय यहाँ का शासक वर्मलात चावड़ा था। यह शिलालेख दास प्रथा पर भी प्रकाश डालता है।
- इससे पूर्व **'राजस्थान'** शब्द का सबसे प्राचीन उल्लेख चित्तौड़गढ़ के खण्ड शिलालेख में **'राजस्थानीय'** शब्द के रूप में मिलता है।
- साहित्यिक रूप में राजस्थान का नाम मुहणौत नैणसी कृत **'नैणसी री ख्यात'**, कवि वीरभाण द्वारा रचित **'राजरूपक'** तथा उद्योतनसूरी के **'कुवलयमाला'** ग्रंथ में **'राजस्थान'** नाम मिलता है।

☞ **नोट-'नैणसी री ख्यात'** को राजस्थान का प्रथम ऐतिहासिक ग्रंथ माना जाता है। जिसका रचनाकाल 1665 ई. है। इस ग्रंथ में राजस्थान के विभिन्न राज्यों व मध्य भारत का इतिहास वर्णित है। यह ग्रंथ डिंगल भाषा में लिखित है। नैणसी की अन्य रचना : जोधपुर राज्य का गजेटियर – **'मारवाड़ रा परगना री विगत'** मुहणौत नैणसी जोधपुर महाराजा गजसिंह की सेवा के बाद महाराजा जसवंत सिंह प्रथम के दरबारी कवि रहे थे।

- ☞ **नोट**–कवि वीरभान द्वारा **डिंगल भाषा** में **राजरूपक** की रचना की गयी। इसमें 1787 में जोधपुर के **राजा अभय सिंह** और **गुजरात सूबेदार सरबुलंद खान** के बीच लड़े गए युद्ध का वर्णन है।

- राजस्थान के लिए सर्वप्रथम **राजपूताना** शब्द का प्रयोग 1800 ई. में **आयरलैण्ड निवासी जॉर्ज थॉमस** ने किया जिसकी पुष्टि 1805 में **विलियम फ्रैंकलिन** की पुस्तक **'द मिल्ट्री मेमोयर्स ऑफ मिस्टर जॉर्ज थॉमस'** से होती है।

- ☞ **नोट**–जॉर्ज थॉमस ग्वालियर के मराठा शासक दौलतराव सिंधिया का अंग्रेजी कमाण्डर था। जॉर्ज थॉमस राजस्थान में सर्वप्रथम शेखावाटी क्षेत्र में आया था। **'द मिल्ट्री मेमोयर्स ऑफ मिस्टर जॉर्ज थॉमस'** पुस्तक का प्रकाशन लार्ड वेलेजली ने करवाया।

- कर्नल जेम्स टॉड ने 1829 में अपनी पुस्तक **'एनाल्स एण्ड एण्टिक्वीटीज ऑफ राजस्थान'** में इस भू-भाग के लिए **रजवाड़ा, रायथान व राजस्थान** शब्द का प्रयोग किया। यह पुस्तक जेम्स टॉड ने अपने **गुरु जैन यतिज्ञान चन्द्र** (माण्डलगढ़) को समर्पित किया। यह पुस्तक दो भागों में प्रकाशित हुई – 1829 व 1832 इसका प्रकाशन लंदन में **विलियम जेम्स क्रुक** के द्वारा किया गया। इस ग्रंथ का सर्वप्रथम हिंदी अनुवाद **गौरी शंकर हीराचंद ओझा** के द्वारा किया गया। इस पुस्तक के दूसरे भाग का अनुवाद ज्वाला प्रसाद व मुंशी देवी प्रसाद ने किया।

- ☞ **नोट**–एनाल्स एण्ड एण्टिक्वीटीज ऑफ राजस्थान का दूसरा नाम **'दी सेन्ट्रल एण्ड वेस्टर्न राजपूत स्ट्टेस ऑफ इण्डिया'** है। इसमें राजपूताने की भौगोलिक स्थिति, वंशावली एवं राजनैतिक स्थिति का वर्णन मिलता है।

- **टॉड का दूसरा ग्रंथ 'ट्रेवल इन वेस्टर्न इण्डिया'** है जिसका प्रकाशन इनकी मृत्यु के पश्चात् इसकी पत्नी **जूलिया क्लटरबक** द्वारा 1839 में किया गया। इस ग्रंथ में राजपूती परम्पराओं, अंधविश्वासों व सांस्कृतिक इतिहास का वर्णन है। राजस्थान एकीकरण के **दूसरे चरण** में (25 मार्च, 1948) में **पूर्वी राजस्थान** नाम मिलता है।

- 26 जनवरी, 1950 को भारत सरकार ने **प. सत्यनारायण राव समिति** की सिफारिश पर राजस्थान शब्द को **सर्वप्रथम संवैधानिक** रूप से मान्यता दी गई और **छठे चरण में वैधानिक रूप से राजपूताना** के स्थान पर **राजस्थान** शब्द प्रयोग में लाया गया।

- **राजस्थान** का वर्तमान स्वरूप **1 नवम्बर, 1956** को प्राप्त हुआ और अजमेर को राज्य का 26वां जिला बनाया गया। उससे पहले राजस्थान में जिलों की संख्या 25 थी।

- 1 नवम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर **छत्तीसगढ़ राज्य** का गठन हुआ और **राजस्थान क्षेत्रफल** की दृष्टि से **देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया।**

संभागीय व्यवस्था

- **राजस्थान में संभागीय व्यवस्था का प्रारम्भ – 30 मार्च, 1949 को,** हीरालाल शास्त्री द्वारा किया गया। प्रारम्भ में राजस्थान में 25 जिले व 5 संभाग थे जिनमें **बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, जयपुर, कोटा** शामिल है।

- 1 नवम्बर, 1956 को राजस्थान का **26वाँ जिला अजमेर व 6वाँ संभाग – जयपुर के स्थान पर अजमेर बनाया** गया। 24 अप्रैल, 1962 **संभागीय व्यवस्था** तत्कालीन मुख्यमंत्री **मोहनलाल सुखाड़िया** द्वारा बंद कर दी गई जिसे पुनः **26 जनवरी, 1987 को** मुख्यमंत्री **हरिदेव जोशी** द्वारा प्रारम्भ किया गया और **जयपुर** को पुनः संभाग बना दिया गया जिससे संभागों की **संख्या 6** हो गयी।

- **4 जून, 2005** को मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समय 7वाँ संभाग **भरतपुर** को बनाया गया।

- **7 अगस्त, 2023** को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय 8वाँ संभाग बाँसवाड़ा, 9वाँ संभाग पाली व 10वाँ संभाग सीकर बनाया गया, किन्तु भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा **29 दिसम्बर, 2024** को जारी अधिसूचना के आधार पर राजस्थान के **3 नए संभागों (बांसवाड़ा, पाली व सीकर)** को निरस्त कर दिया गया है। पूर्ववत **मूल 7 संभागों को यथावत् रखा गया।**

- **वर्तमान में राज्य में कुल संभागों की संख्या 7 है। वर्तमान स्थिति के अनुसार राज्य के संभाग और जिले निम्नलिखित प्रकार से है**

1. **बीकानेर** – गंगानगर, हनुमानगढ, चुरू व बीकानेर।
2. **जोधपुर** – जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, फलौदी, जोधपुर, जालौर, पाली व सिरोही।
3. **उदयपुर** – उदयपुर, सलूम्बर, चितौड़गढ, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ व राजसमन्द ।
4. **कोटा** – झालावाड़, बारां, कोटा, बूँदी।
5. **भरतपुर** – सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर व डीग।
6. **जयपुर** – अलवर, खैरथल-तिजारा, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़, सीकर, झुंझुनूं व दौसा।
7. **अजमेर** – अजमेर, ब्यावर, नागौर, डीडवाना-कुचामन, टोंक व भीलवाड़ा।

- **राजस्थान का उत्तरी संभाग बीकानेर संभाग।**
- **राजस्थान का दक्षिणी संभाग उदयपुर संभाग।**
- **राजस्थान का मध्यवर्ती संभाग अजमेर संभाग।**
- **राजस्थान का पूर्वी संभाग – भरतपुर संभाग।**

❖ **राजस्थान का पश्चिमी संभाग - जोधपुर संभाग**

- **4 जिलों वाले संभाग बीकानेर व कोटा।**
- **5 जिलों वाला संभाग - भरतपुर ।**
- **6 जिलों वाला संभाग - अजमेर।**
- **7 जिलों वाले संभाग - जयपुर व उदयपुर।**
- **8 जिलों वाला संभाग - जोधपुर।**

- राज्य के सर्वाधिक 6 **सम्भागों की सीमा** को स्पर्श करने वाला सम्भाग **अजमेर** है।
- 6 **राज्यों की सीमा** को स्पर्श करने वाला संभाग - **भरतपुर** है।
- राज्य में **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले सम्भाग** - **बीकानेर, जोधपुर।**
- **सर्वाधिक अन्तर्राष्ट्रीय सीमा** बनाने वाला सम्भाग - **जोधपुर।**
- **न्यूनतम अन्तर्राष्ट्रीय सीमा** बनाने वाला सम्भाग - **बीकानेर।**
- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के नजदीक स्थित** सम्भागीय मुख्यालय - **बीकानेर।**
- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के दूर स्थित** सम्भागीय मुख्यालय - **जोधपुर।**
- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के सर्वाधिक** दूर सम्भागीय मुख्यालय - **भरतपुर।**
- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर क्षेत्रफल** की दृष्टि से बड़ा सम्भाग - **जोधपुर।**
- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर क्षेत्रफल** की दृष्टि से छोटा सम्भाग - **बीकानेर।**
- **अन्तर्राज्यीय सीमा** बनाने वाले सम्भागों की संख्या - 7
- पूर्णत: **अंतर्राज्यीय सीमा** बनाने वाले सम्भागों की कुल संख्या - 5
- **सर्वाधिक अंतर्राज्यीय सीमा** बनाने वाला संभाग - **उदयपुर।**
- **सबसे कम अंतर्राज्यीय सीमा** बनाने वाला संभाग - **अजमेर।**
- **अन्तर्राज्यीय सीमा** के नजदीक सम्भागीय मुख्यालय - **भरतपुर ।**
- **अन्तर्राज्यीय सीमा के दूर सम्भागीय** मुख्यालय - **जोधपुर।**
- **अन्तर्राज्यीय सीमा पर क्षेत्रफल** में बड़ा सम्भाग - **जोधपुर।**
- **अन्तर्राज्यीय सीमा पर** क्षेत्रफल में छोटा सम्भाग- **बांसवाड़ा।**
- **दो बार अन्तर्राज्यीय सीमा** बनाने वाला सम्भाग - **उदयपुर।**

➯ संभागों के पुनर्गठन से पूर्व संभागों की स्थिति

❖ **राजस्थान में पूर्व में संभागों की कुल संख्या 7 थी।**

1. **बीकानेर** – **गंगानगर, हनुमानगढ, चूरू, बीकानेर।**
2. **जोधपुर** – **जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, जोधपुर।**
3. **उदयपुर** – **उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चितौड़गढ, राजसमन्द ।**
4. **कोटा** – **झालावाड़, बारां, कोटा, बूँदी।**
5. **भरतपुर** – **सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर।**
6. **जयपुर** – **अलवर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं दौसा ।**
7. **अजमेर** – **अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा, टोंक।**

❖ **राजस्थान** अपने वर्तमान स्वरूप में **1 नवम्बर 1956** को आया। इस समय राजस्थान में **कुल** 26 जिले थे।

- राजस्थान स्थापना दिवस – 1 नम्वबर
- राजस्थान दिवस – 30 मार्च
- राजस्थानी भाषा दिवस – 21 फरवरी

❖ **26 वां जिला – अजमेर – 1 नवम्बर 1956**

- अजमेर जयपुर जिले से अलग होकर राज्य का नया जिला बना।
- अजमेर की स्थापना 1113 में अजयराज के द्वारा की गई।
- अजमेर को प्राचीन काल में अजयमेरू के नाम से जाना जाता है।
- अजमेर का प्रसिद्ध नृत्य मयूर है।
- अजमेर का RJ नम्बर – 01 है।
- अजमेर राज्य का **पूर्ण साक्षर** जिला है।

- राज्य में सर्वप्रथम सहकारिता की शुरुआत 1904 में अजमेर से हुई।
- अजमेर के समय राजस्थान का मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया था।
- **मोहनलाल सुखाड़िया** को आधुनिक राजस्थान का निर्माता के उपनाम से भी जाना जाता है।
- राज्य में सबसे लम्बे कार्यकाल वाला मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया है जिनका कार्यकाल लगभग 17 वर्ष है।
- राज्य में सबसे कम समय का मुख्यमंत्री **हीरालाल देवुपरा** है जिनका कार्यकाल 16 दिन है।
- हीरालाल देवपुरा को राजस्थान का अंतरिम मुख्यमंत्री के उपनाम से जाना जाता है।

❖ 27 वां जिला - धौलपुर - 15 अप्रैल 1982

- यह भरतपुर से अलग होकर नया जिला बना।
- धौलपुर का संस्थापक **धंवल देव** को माना जाता है।
- **राजस्थान का पूर्वी जिला** धौलपुर है।
- धौलपुर का RJ नम्बर - 11
- धौलपुर को रेड **डायमण्ड के उपनाम** से भी जाना जाता है।
- धौलपुर को **प्राचीनकाल में कोठी** के नाम से जाना जाता था।
- गाय की **मेवाती नस्ल** को भी कोठी के नाम से जाना जाता है।
- पूर्व में धौलपुर राज्य **क्षेत्रफल में सबसे छोटा** जिला था जो 3034 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- इस समय राज्य का मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर था।
- 26 जनवरी, 1982 में राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में प्रथम ट्रेन शाही रेलगाड़ी या पैलेस ऑन व्हील्स के नाम से शुरू की गई।
- 1982 में जमुआ **रामगढ़ अभयारण्य (जयपुर)** तथा **रामगढ़ विषधारी अभयारण्य (बूंदी)** को अभयारण्य का दर्जा दिया गया।

- **रामगढ़ विषधारी अभयारण्य** को 2021 में राज्य की **चौथी बाघ परियोजना** का दर्जा दिया गया।
- राजस्थान की **तीसरी बाघ परियोजना** का दर्जा दर्रा राष्ट्रीय उद्यान को 2013 में दिया गया।
- राजस्थान की दूसरी बाघ परियोजना का दर्जा 1978 में सरिस्का अभयारण्य को दिया गया।
- राजस्थान की प्रथम बाघ परियोजना का दर्जा रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान को 1973 में दिया गया।
- **पाँचवीं बाघ परियोजना** धौलपुर करौली (2023) है।
- **छठी बाघ परियोजना** कुंभलगढ़ (2024) है।
- बाघ परियोजना का जनक **कैलाश सांखला** को माना जाता है।

❖ 28 वां जिला - बारां - 10 अप्रैल 1991

- यह **कोटा** से अलग होकर नया जिला बना।
- बारां को प्राचीनकाल में **वराहनगरी व बरसाना** के नाम से जाना जाता था।
- बारां का RJ नम्बर 28 है।
- बारां का प्रसिद्ध **नृत्य शिकारी** है।
- इस समय राज्य के मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत थे।

प्रज्ञान

❖ 29 वां जिला - दौसा - 10 अप्रैल 1991

- **यह जयपुर** से अलग होकर नया जिला बना।
- दौसा को प्राचीनकाल में द्यौसा, देवसा, देवांश के नाम से जाना जाता था।
- दौसा जिले का **शुभंकर खरगोश** है।
- दौसा धनुषाकार आकृति में फैला हुआ है।
- दौसा में **माधोसागर** बाँध स्थित है।
- दौसा देवगिरी/देवसा पहाड़ी पर स्थित है।
- दौसा का RJ नम्बर - 29

❖ 30 वां जिला - राजसमंद - 10 अप्रैल 1991

- **यह उदयपुर** से अलग होकर नया जिला बना।
- राजसमंद का संस्थापक **राजसिंह** था।
- राजसिंह ने **राजसमंद झील** का निर्माण करवाया तथा इस क्षेत्र का नाम राजनगर रखा।
- राजसमंद राज्य का एकमात्र ऐसा जिला है जिसके नाम से कोई भी जिला व तहसील मुख्यालय नहीं है। **राजसमंद का जिला मुख्यालय राजनगर** है।
- राजसमंद एकमात्र ऐसा जिला है जिसका नाम **राजसमंद झील** के नाम पर रखा गया।
- राजसमंद का RJ नम्बर - 30
- राजसमंद का प्रसिद्ध नृत्य **डांग नृत्य** है तथा राजसमंद की आकृति तिलक के जैसी है।

❖ 31 वां जिला - हनुमानगढ़ - 12 जुलाई 1994

- यह **श्रीगंगानगर** से अलग होकर नया जिला बना।
- हनुमानगढ़ का RJ नम्बर-31
- बीकानेर के शासक **राव सूरत सिंह** ने 1805 में मंगलवार के दिन भटनेर दुर्ग जीतकर इस स्थान का नाम हनुमानजी के नाम पर हनुमानगढ़ रखा।

❖ 32 वां जिला - करौली- 19 जुलाई 1997

- यह सवाई माधोपुर से अलग होकर नया जिला बना
- करौली को प्राचीनकाल में **गोपालपाल व कल्याणपुरी** के नाम से जाना जाता था।
- करौली को **डांग की रानी** के उपनाम से भी जाना जाता है।
- करौली का RJ नम्बर-34
- करौली का प्रसिद्ध **नृत्य लांगुरिया नृत्य** है।

❖ 33 वां जिला - प्रतापगढ - 26 जनवरी 2008

- **प्रतापगढ़** 3 जिलों से अलग होकर नया जिला बना –
- **चितौड़गढ** – इससे छोटी सादड़ी, आरणोद, प्रतापगढ़ तहसील ली गई।
- **उदयपुर** – इससे धारियावाद तहसील ली गई।
- **बांसवाड़ा** – इससे पीपलखूंट तहसील ली गई।
- चितौड़गढ़ जिले से प्रतापगढ़, छोटी सादड़ी एवं अरनोद तहसीलें, उदयपुर जिले की धरियावाद तहसील एवं बाँसवाड़ा जिले की घाटोल तहसील में से पीपलखूँट को अलग तहसील बनाकर राज्य के नवगठित प्रतापगढ़ जिले में सम्मिलित किया गया।
- प्रतापगढ़ जिला **परमेशचंद्र कमेटी** की सिफारिश पर बनाया गया।
- प्रतापगढ़ राज्य का **क्षेत्रफल में पाँचवां सबसे छोटा** जिला था।
- प्रतापगढ़ का कुल क्षेत्र **4117** किमी है।
- प्रतापगढ़ का RJ नम्बर 35 है।
- प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय 75^0 देशान्तर पर स्थित है।
- प्रतापगढ़ को **आदिवासी जिले** का दर्जा दिया गया।
- प्रतापगढ़ ने अपना कार्य 1 अप्रैल, 2008 से शुरू किया।
- प्रतापगढ़ के नवीनतम जिला बनने के पश्चात् उदयपुर 6 जिलों वाला संभाग बना। वर्तमान में प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा संभाग में है।
- प्रतापगढ़ का सर्वप्रथम व्यवस्थित इतिहास पं० **गौरी शंकर हीराचंद ओझा** के द्वारा लिखा गया।
- प्रतापगढ़ को प्राचीनकाल में कांठल / देवल या देवलिया के नाम से जाना जाता था।
- प्रतापगढ़ का प्राचीन नाम कांठल है। कांठल का अर्थ किनारा होता है।
- प्रतापगढ़ की **थेवाकला** प्रसिद्ध है।
- कांठल का **ताजमहल-काका जी की दरगाह** (प्रतापगढ़)।

प्रज्ञान

- हाड़ौती का ताजमहल – **अबली मीणी का महल** (कोटा)।
- राजस्थान का ताजमहल – **जसवंत थड़ा** (जोधपुर)।
- भारत का ताजमहल – **आगरा का ताजमहल** (उत्तरप्रदेश)।
- दक्षिण भारत का ताजमहल **बीबी का मकबरा** (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)।
- 17 मार्च, 2023 को रामलुभाया कमेटी की सिफारिश पर राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 19 नये जिलों व 3 संभागों की घोषणा की गई। इन 19 नये जिलों व 3 संभागों ने विधिवत् रूप से कार्य 7 अगस्त, 2023 से शुरू किया इसलिए सभी नवीन जिलों व संभागों का स्थापना दिवस 7 अगस्त को ही मनाया जायेगा। नवगठित 17 जिलों (जयपुर शहर व जोधपुर शहर पूर्व में जिले थे वर्तमान में नाम परिवर्तन किया इसलिए 17 नए जिले।) व 3 संभागों की समीक्षा हेतु राज्य सरकार द्वारा 5 सदस्यों की समिति का संयोजक डॉ. प्रेमचंद बैरवा को बनाया गया। इस कैबिनेट सब-कमेटी में उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पी.एच.ई.डी. मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा व जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत को सदस्य बनाया गया।
- राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा प्रस्तावित **कुचामन, मालपुरा व सुजानगढ़** तीनों जिलों को रद्द कर दिया गया।
- वर्तमान में भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा 29 दिसम्बर, 2024 को जारी अधिसूचना के आधार पर राजस्थान के **9 जिलों व 3 संभागों को** निरस्त कर दिया गया है –
- **निरस्त जिलें – अनूपगढ़, दूदू, जयपुर ग्रामीण, गंगापुर सिटी, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीमकाथाना, सांचौर व शाहपुरा** ।
- **अनूपगढ़** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला **श्रीगंगानगर एवं बीकानेर** में सम्मिलित किया गया है।
- **दूदू एवं जयपुर ग्रामीण** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला जयपुर में सम्मिलित किया गया है।
- **गंगापुरसिटी** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला **सवाईमाधोपुर एवं करौली** में सम्मिलित किया गया है।
- **जोधपुर ग्रामीण** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला **जोधपुर** में सम्मिलित किया गया है।

प्रज्ञान

- **केकड़ी** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला अजमेर एवं टोंक में सम्मिलित किया गया है।

- **नीमकाथाना** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला **सीकर व झुंझुनूं** में सम्मिलित किया गया है।

- **सांचौर** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला **जालौर** में सम्मिलित किया गया है।

- **शाहपुरा** जिले में सम्मिलित उपखण्ड एवं तहसीलों को यथावत मूल जिला भीलवाड़ा में सम्मिलित किया गया है।

- **निरस्त संभाग** – **बांसवाड़ा, पाली व सीकर संभाग।**

- बांसवाड़ा संभाग में सम्मिलित जिले को यथावत मूल **उदयपुर संभाग** में सम्मिलित किया गया है।

- पाली संभाग में सम्मिलित जिले को यथावत मूल **जोधपुर संभाग** में सम्मिलित किया गया है।

- सीकर संभाग में सम्मिलित जिले को यथावत मूल **जयपुर व बीकानेर** संभाग में सम्मिलित किया गया है।

➯ राजस्थान के वर्तमान में 8 नवीनतम जिलें है जो कि निम्नलिखित है-

1. बालोतरा जिला :

जिला – बालोतरा		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	बालोतरा	पंचपदरा, कल्याणपुर
2.	सिवाना	सिवाना, समदड़ी
3.	बायतु	बायतु, गिड़ा
4.	सिणधरी	सिणधरी

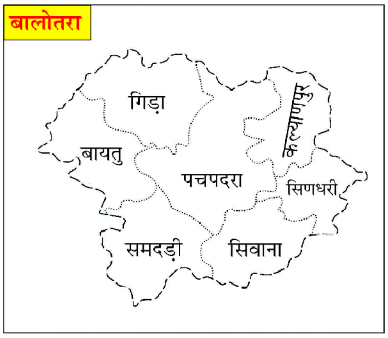

- **बालोतरा बाड़मेर** से अलग होकर नवीन जिला बना।

- **बालोतरा** जिले में **7 तहसीलें** शामिल की गई है।

- **बालोतरा** जिले के गठन हेतु बाड़मेर से **पंचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बायतु, गिड़ा व सिणधरी** तहसीलों को सम्मिलित किया गया।

- **बालोतरा** की अजरक व **मलीर प्रिंट प्रसिद्ध** है।
- **बालोतरा** का आर.जे. नम्बर 39 है।
- **बालोतरा** जिला वर्तमान में **जोधपुर संभाग** में स्थित है।

2. ब्यावर जिला :

जिला - ब्यावर		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	ब्यावर	ब्यावर
2.	टाटगढ़	टाटगढ़
3.	जैतारण	जैतारण
4.	रायपुर	रायपुर
5.	मसूदा	मसूदा, विजयनगर
6.	बदनोर	बदनोर

- **ब्यावर**, **अजमेर, पाली व भीलवाड़ा** से अलग होकर नवीन जिला बना।
- **ब्यावर** जिले में **7 तहसीलें** शामिल की गई है।
- **ब्यावर** जिले के गठन हेतु अजमेर से **ब्यावर, टॉडगढ़, मसूदा, विजयनगर तथा पाली से जैतारण, रायपुर व भीलवाड़ा** से बदनोर तहसीलों को सम्मिलित किया गया।
- **ब्यावर** जिला **वर्तमान** में अजमेर संभाग में स्थित है।

3. डीग जिला :

जिला - डीग		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	डीग	डीग, जनूथर
2.	कुम्हेर	कुम्हेर, ररह
3.	नगर	नगर
4.	सीकरी	सीकरी
5.	कामां	कामां, जुरहरा
6.	पहाड़ी	पहाड़ी

- **डीग, भरतपुर** से अलग होकर नवीन जिला बना।
- **डीग** जिले में **9 तहसीलें** शामिल की गई है।

- **डीग** जिले के गठन हेतु भरतपुर से डीग, जनूथर, कुम्हेर, रारह, नगर, सीकरी, कामां, जुरहरा व पहाड़ी तहसीलें शामिल की गई।
- **डीग** को जल महलों की नगरी व **फव्वारों की नगरी के उपनाम** से जाना जाता है।
- **डीग** जिला वर्तमान में **भरतपुर संभाग** में स्थित है।

4. डीडवाना-कुचामन जिला :

जिला - डीडवाना-कुचामन		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	डीडवाना	डीडवाना, मौलासर, छोटी खाटू
2.	लाडनूं	लाडनूं
3.	परबतसर	परबतसर
4.	मकराना	मकराना
5.	नावां	नावां
6.	कुचामनसिटी	कुचामनसिटी

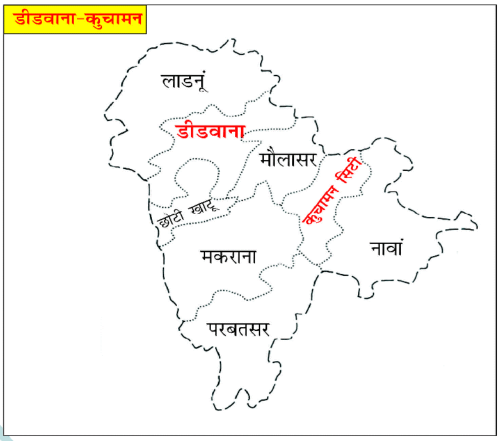

- **डीडवाना-कुचामन, नागौर** से अलग होकर नवीन जिला बना जिसका मुख्यालय अस्थाई रूप से डीडवाना रहेगा।
- **डीडवाना**-कुचामन जिले में **8 तहसीलें** शामिल की गई है।
- **डीडवाना**-कुचामन जिले के गठन हेतु नागौर से डीडवाना, मौलासर, छोटी खाटू, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नावां व कुचामनसिटी तहसीलों को सम्मिलित किया गया।
- **डीडवाना**-कुचामन जिला वर्तमान में अजमेर संभाग में स्थित है।

5. कोटपूतली - बहरोड़ जिला

जिला - कोटपूतली-बहरोड़		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	बहरोड़	बहरोड़
2.	बानसूर	बानसूर
3.	नीमराना	नीमराना, मांढण
4.	नारायणपुर	नारायणपुर
5.	कोटपूतली	कोटपूतली
6.	विराटनगर	विराटनगर
7.	पावटा	पावटा

- **कोटपूतली** – बहरोड़, जयपुर व अलवर से अलग होकर नवीन जिला बना जिसका मुख्यालय अस्थाई रूप से कोटपूतली रहेगा।

- **कोटपूतली**-बहरोड़ जिले में 8 तहसीलें शामिल की गई है।

- **कोटपूतली**-बहरोड़ जिले के गठन हेतु अलवर से बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर तथा जयपुर से कोटपूतली, विराटनगर व पावटा तहसीलों को सम्मिलित किया गया।

- **कोटपूतली**-बहरोड़ जिला वर्तमान में जयपुर संभाग में स्थित है।

6. खैरथल-तिजारा जिला :

जिला - खैरथल-तिजारा		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	तिजारा	तिजारा
2.	किशनगढ़बास	किशनगढ़बास, खैरथल
3.	कोटकासिम	कोटकासिम, हरसोली
4.	टपूकड़ा	टपूकड़ा
5.	मुंडावर	मुंडावर

- **खैरथल-तिजारा** अलवर से अलग होकर नवीन जिला बना जिसका मुख्यालय खैरथल होगा।

- **खैरथल-तिजारा** जिले में 7 तहसीलें शामिल की गई है।

- **खैरथल-तिजारा** जिले के गठन हेतु अलवर से तिजारा, किशनगढ़बास, खैरथल, कोटकासिम, हरसोली, टपूकड़ा व मुंडावर तहसीलों को सम्मिलित किया गया।

- **खैरथल-तिजारा** जिला वर्तमान में जयपुर संभाग में स्थित है।

7. फलौदी जिला :

जिला - फलौदी		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	फलौदी	फलौदी
2.	लोहावट	लोहावट
3.	आऊ	आऊ
4.	देचू	देचू, सेतरावा
5.	बाप	बाप, घंटियाली
6.	बापिणी	बापिणी

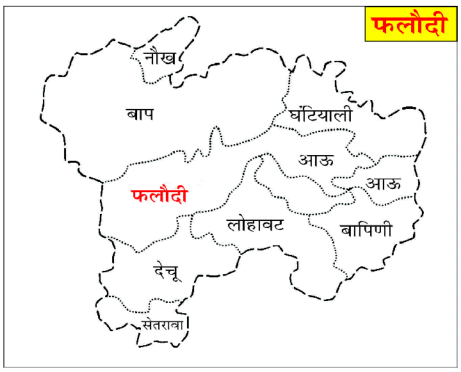

- **फलौदी,** जोधपुर और जैसलमेर से अलग होकर नवीन जिला बनाया गया है। इसमें **जैसलमेर** जिले की नोख तहसील का कुछ आंशिक क्षेत्र मिलाया गया है।
- **फलौदी** जिले में 8 तहसीलें शामिल की गई है।
- **फलौदी** जिले के गठन हेतु जोधपुर से फलौदी, लोहावट, आऊ, देचू, सेतरावा, बाप, घंटियाली व बापिणी तहसीलों को सम्मिलित किया गया।
- **फलौदी** जिला वर्तमान में **जोधपुर** संभाग में स्थित है।

8. सलूम्बर जिला :

जिला - सलूम्बर		
क्र.स.	**नाम उपखंड**	**तहसील**
1.	सराड़ा	सराड़ा
2.	सेमारी	सेमारी
3.	लसाड़िया	लसाड़िया
4.	सलूम्बर	सलूम्बर , झल्लारा

- **सलूम्बर,** उदयपुर से अलग होकर नवीन जिला बना।
- **सलूम्बर** जिले में **5 तहसीलें** शामिल की गई है।
- **सलूम्बर** जिले के गठन हेतु **उदयपुर से सराड़ा, सेमारी, लसाड़िया, सलूम्बर व झल्लारा तहसीलों** को सम्मिलित किया गया।
- **सलूम्बर** जिला वर्तमान में **उदयपुर संभाग** में स्थित हैं।

****

राजस्थान की दिशा

- भूमध्य रेखा के सापेक्ष राजस्थान **उत्तरी गोलार्द्ध** में स्थित है।
- ग्रीनविच रेखा के सापेक्ष **पूर्वी गोलार्द्ध** में स्थित है।
- ग्रीनविच व भूमध्य रेखा दोनों के सापेक्ष अथवा विश्व मानचित्र में राजस्थान **उत्तर-पूर्वी गोलार्द्ध** में स्थित है।
- एशिया में राजस्थान **दक्षिण मध्य** दिशा में स्थित है।
- भारत में राजस्थान **उत्तर पश्चिम दिशा** में स्थित है।

☞ **नोट-राजस्थान भूमध्य रेखा के सापेक्ष उ. गोलार्द्ध में स्थित है।**

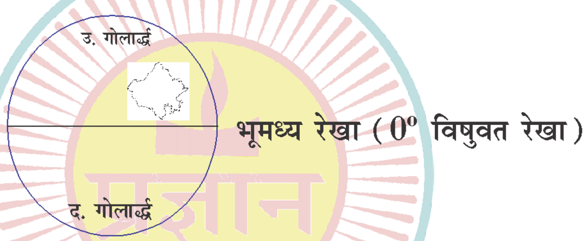

☞ **नोट-ग्रीनविच रेखा के सापेक्ष राजस्थान पू. गोलार्द्ध में स्थित है-**

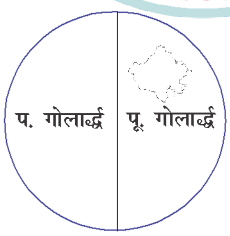

ग्रीनविच रेखा

☞ **नोट-ग्रीनविच व भूमध्य रेखा के सापेक्ष राजस्थान उ.-पू. गोलार्द्ध (कोण-ईशान कोण) में स्थित है-**

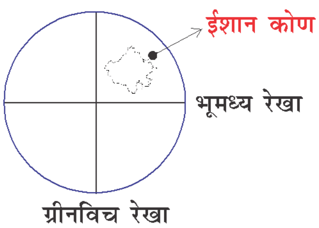

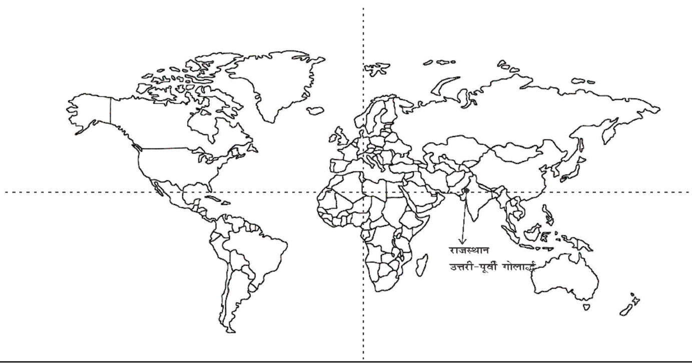

☞ **नोट-एशिया के संदर्भ में राजस्थान की स्थिति द. मध्य में या द.-प. में यह नैऋत्य कोण बनाता है।**

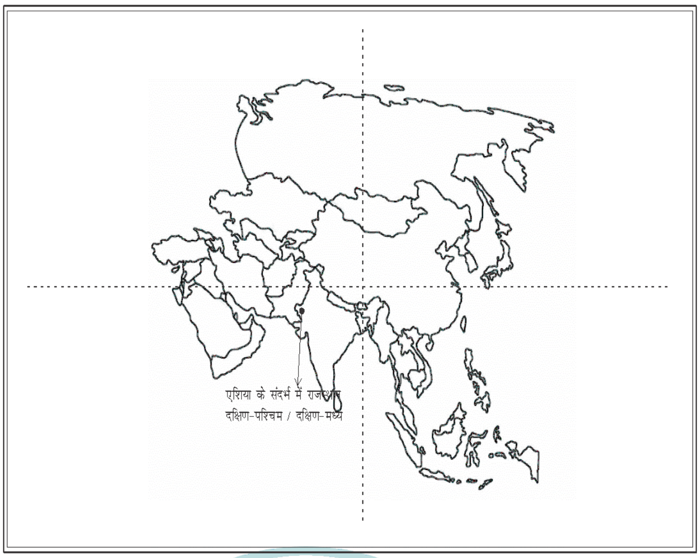

☞ **नोट-भारत के संदर्भ में राजस्थान की स्थिति उ.-प. गोलार्द्ध कोण-वायव्य कोण।**

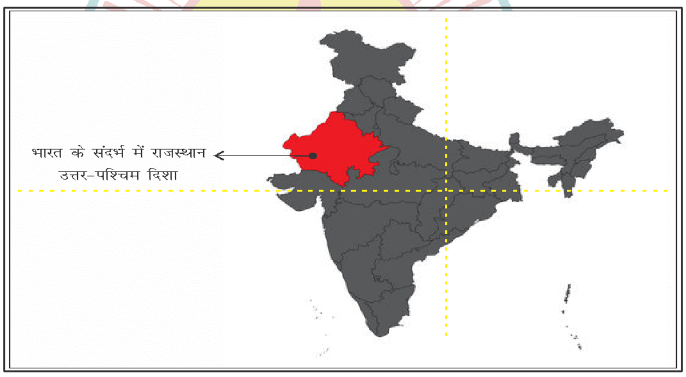

❖ राजस्थान की आकृति :

- राजस्थान की आकृति **विषमकोणीय चतुर्भुजाकार** या **पतंगाकार** या **रोहम्बस** है।
- राजस्थान की स्थलाकृति पहली बार बताने वाले विद्वान-**टी.एच. हैण्डले**।

☞ **नोट**-टी.एच. हैण्डले (Thomas Holbein Hendley)-(जयपुर रियासत में ब्रिटिश हैल्थ ऑफिसर) इन्हीं की सलाह पर जयपुर के शासक रामसिंह द्वितीय ने जयपुर शहर को गेरूआ रंग से रंगवाया था।

- राजस्थान की स्थलाकृति **वैगनर सिद्धांत** पर आधारित है।

❖ राजस्थान का विस्तार :

- राजस्थान का क्षेत्रफल-3,42,239,74 किमी./1, 32, 139 वर्ग मील।
- राजस्थान सम्पूर्ण विश्व के क्षेत्रफल का 0.25% है।
- भारत के क्षेत्रफल का 10.41% है।
- राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में प्रथम स्थान है।

❖ राजस्थान की विश्व स्तर पर तुलना :

- ग्रेट ब्रिटेन से **2 गुना बड़ा**
- नेपाल व बांग्लादेश से **$2\frac{1}{2}$ गुना बड़ा**
- चेकोस्लाविया से **3 गुना बड़ा**
- श्रीलंका से **5 गुना बड़ा**
- स्विट्जरलैण्ड व भूटान से **8 गुना बड़ा**
- बेल्जियम से **11 गुना बड़ा**
- राजस्थान-इजराइल से **17 गुना बड़ा**
- जापान व जर्मनी के लगभग बराबर।
- नार्वे व पौलेण्ड के लगभग बराबर।
- कांगो रिपब्लिक के लगभग बराबर।

❖ राजस्थान के क्षेत्रफल की भारत से तुलना :

- कर्नाटक व गुजरात से **2 गुना बड़ा।**
- उड़ीसा व तमिलनाडु से $2\frac{1}{2}$ गुना बड़ा।
- बिहार से **3 गुना बड़ा।**
- केरल से **5 गुना बड़ा।**
- पंजाब व हरियाणा से 7 गुना बड़ो।

❖ राजस्थान के क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े जिले :

- जिलों के पुनर्गठन के बाद राज्य सरकार ने जिलों के क्षेत्रफल के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए।

❖ राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे जिले :

- जिलों के पुनर्गठन के बाद राज्य सरकार ने जिलों के क्षेत्रफल के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए।
- राजस्थान के क्षेत्रफल के **10%** से अधिक क्षेत्रफल वाला जिला **जैसलमेर** है।

- 1 प्रतिशत से भी कम क्षेत्रफल वाला जिला **धौलपुर** है।
- राजस्थान की उत्तर से दक्षिण लम्बाई 826 किमी. है।
- राजस्थान की पूर्व से पश्चिम चौड़ाई 869 किमी. है।
- राजस्थान की लम्बाई व चौड़ाई में कुल अंतर 43 किमी. है व अक्षांशीय अंतर 1° से भी कम है।
- राजस्थान के उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व तक विकर्ण की लम्बाई 850 किमी. है व दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व के विकर्ण की लम्बाई 784 किमी. है।
- दोनों विकर्णों में अंतर 66 किमी. है।

☞ **नोट**-राजस्थान का मध्यवर्ती **गांव लाम्पोलाई मेड़ता, नागौर** है।

❖ राजस्थान की अक्षांशीय व देशांतरीय स्थिति :

* राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार $23^0 3'$ उत्तरी अक्षांश बोरकुण्डा, बांसवाड़ा से $30^0 12'$ उत्तरी अक्षांश **कोणा गाँव, गंगानगर** तक स्थित है।

* राजस्थान का देशान्तरीय विस्तार $69^0 30'$ पूर्वी देशांतर कटरा जैसलमेर से $78^0 17'$ पूर्वी देशांतर **सिलान धौलपुर** तक स्थित है।

* राजस्थान का देशांतरीय अंतराल **$8^0 47'$**

* राजस्थान का अक्षांशीय अंतराल **$7^0 9'$**

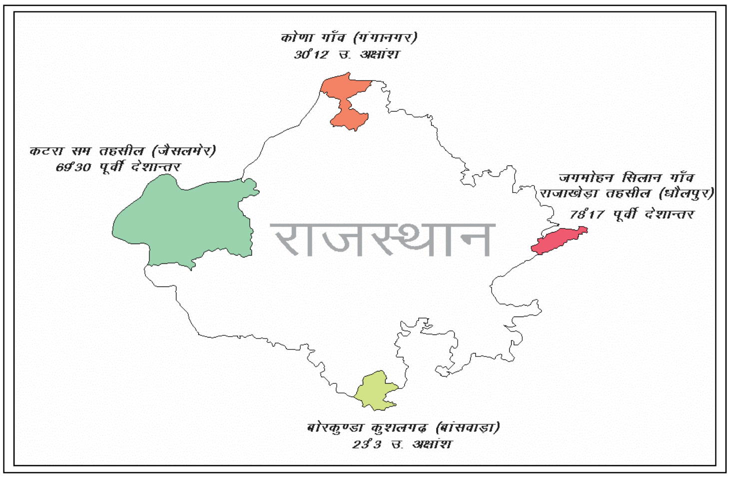

☞ **नोट- 70^0 पूर्वी देशांतर** पर स्थित जिला जैसलमेर है।

☞ **नोट**-राजस्थान की मध्यवर्ती देशांतर रेखा **74° पूर्वी देशांतर रेखा** है जो गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, नागौर, ब्यावर, राजसमंद, उदयपुर, सलूम्बर, डूंगरपुर व बांसवाड़ा से गुजरती है।

☞ **नोट**-राजस्थान की मध्यवर्ती अक्षांश रेखा **27° अक्षांश रेखा** है जो जैसलमेर, फलौदी, नागौर, डीडवाना-कुचामन, जयपुर, दौसा व भरतपुर से गुजरती है।

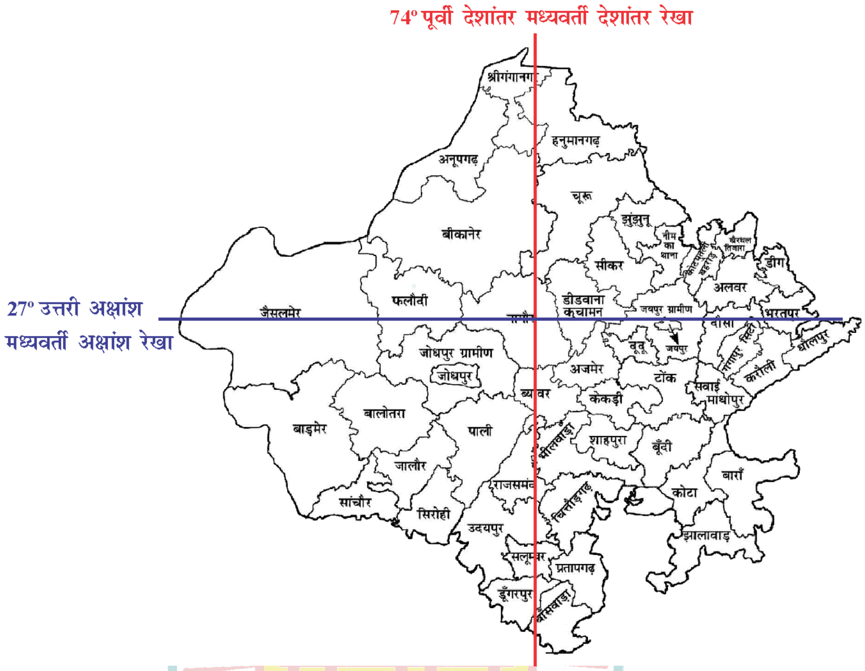

☞ **नोट-प्रिय विद्यार्थियों,** प्रधान मध्याह्न रेखा/ग्रीनविच रेखा के पूर्व की ओर जाने पर समय में वृद्धि होती है प्रत्येक **1° देशांतर को पार करने पर 4 मिनट की तथा 15° देशांतर** को पार करने पर 1 घण्टे की वृद्धि होती है। जबकि ग्रीनविच रेखा के पश्चिमी ओर जाने पर समय में कमी होती है।

☞ **नोट**-**1° देशांतर को पार करने पर 4 मिनट** का समय लगता है इस प्रकार राजस्थान में पूर्व से पश्चिम में समयान्तर आता है **35 मिनट 8 सेकण्ड** का क्योंकि राजस्थान देशांतरीय अंतराल **8°47'** मिनट है जिसे हम 4 से गुणा करेंगे तो **35° 8'** मिनट प्राप्त होगा।

☞ **नोट**-

$8° 47 \times 4'$

$= 1° = 4'$

$8° \times 4' = 32'$

$$47' \times 4 = \frac{188''}{60} = 3'8''$$

$32' + 3', 8'' = 35'8''$

- इस प्रकार राजस्थान के सबसे पूर्वी स्थान के सूर्योदय व पश्चिमी स्थान के सूर्योदय में **35 मिनट 8 सेकण्ड** का अंतर आता है।

- राजस्थान में सर्वप्रथम सूर्योदय व सूर्यास्त **धौलपुर (सिलावट)** में तथा राजस्थान में सबसे बाद में सूर्योदय व सूर्यास्त **जैसलमेर (कटरा)** में होता है। क्योंकि सूर्य हमेशा पूर्व के स्थानों में पहले दिखाई देता है व पश्चिम के स्थानों में बाद में दिखाई देता है।

❖ अक्षांश (Latitude) :

- ग्लोब पर **प. से पू.** की ओर खींची गई काल्पनिक रेखाएँ क्षैतिज रेखाएँ है। इसमें 0^0 अक्षांश ग्लोब को दो समान भागों में बांटती है ऊपर वाला हिस्सा उत्तरी गोलार्द्ध व नीचे वाला हिस्सा **दक्षिणी गोलार्द्ध** कहलाता है। यह 0^0 अक्षांश भूमध्य रेखा या विषुवत रेखा कहलाती है। इस ग्लोब पर 0^0 से ऊपर की ओर 90^0 अक्षांश रेखाएँ तथा नीचे की ओर 90^0 अक्षांश रेखाएँ खींची होती है। इस प्रकार पृथ्वी पर कुल 181 अक्षांश होते हैं लेकिन अक्षांशीय वृत्त केवल 179 ही होते हैं क्योंकि 90^0 उत्तरी ध्रुव व 90^0 दक्षिण ध्रुव अक्षांश वृत्त का निर्माण नहीं करते हैं अत: 181–2=179 अक्षांश वृत्त। ग्लोब पर खींची ये सभी रेखाएँ 0^0 के समानान्तर होती हैं जिनके बीच की दूरी 111.13 किमी. होती है।

☞ **नोट** – दो अक्षांश रेखाओं के बीच के क्षेत्र को **कटिबंध** कहा जाता है।

☞ **नोट** – ये अक्षांश रेखाएँ जलवायु का निर्धारण करती है।

❒ पृथ्वी के अपने अक्षीय झुकाव के कारण हमे 4 महत्वपूर्ण अक्षांश प्राप्त होते हैं

- **23^0 ½ उत्तरी अक्षांश – कर्क रेखा**
- **23^0 ½ दक्षिणी अक्षांश – मकर रेखा**
- **66^0 ½ उत्तरी अक्षांश – आर्कटिक वृत्त**
- **66^0 ½ दक्षिणी अक्षांश – अंटार्कटिक वृत्त**

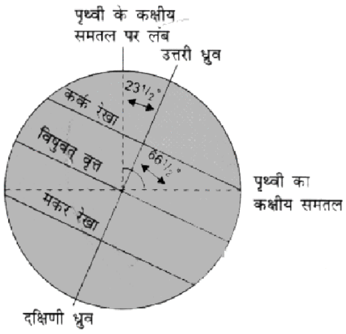

❖ कर्क रेखा :

- राजस्थान के संदर्भ में-राजस्थान का अधिकांश भाग कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है।

- कर्क रेखा की राजस्थान में **लम्बाई** 26 किमी. है।

- कर्क रेखा राजस्थान के दो जिलों से गुजरती है जिसमें 1 किमी. डूंगरपुर की दक्षिणी सीमा के पास **चिखली गाँव** से होकर गुजरती है तथा 25 किमी. लम्बाई में बांसवाड़ा जिले के मध्य **कुशलगढ़ तहसील** से होकर गुजरती है।
- कर्क रेखा के सर्वाधिक नजदीक शहर-कुशलगढ़ बांसवाड़ा।
- कर्क रेखा के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय-बांसवाड़ा।
- कर्क रेखा पर स्थित गाँव-**छिंछ गाँव बांसवाड़ा।**
- **कर्क सक्रांति**-21 जून को कर्क रेखा पर सूर्य सीधा चमकता है जिसके कारण राजस्थान में सबसे लम्बा दिन व छोटी रात 21 जून को होती है। इसके बाद सूर्य दक्षिणायन होना प्रारम्भ हो जाता है।
- कर्क रेखा पर स्थित क्षेत्रों में 21 जून को दोपहर में परछाई नहीं बनती है इसलिए इसे **'नो शैडो जोन'** कहते हैं।

☞ **नोट**-पृथ्वी की अपनी धुरी पर घूमने के कारण से, पृथ्वी एक चक्कर 24 घंटे में पूरा करती है और पृथ्वी का जो हिस्सा सूर्य के सामने होता है वहां पर दिन होता है और बाकी अन्य जगह पर रात होती है। पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की तरफ घूमती है। भूमध्य रेखा पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ने के कारण **21 मार्च व 23 सितंबर को दिन व रात बराबर** होते है।

☞ **नोट**-पृथ्वी अपने अक्ष पर 1 चक्कर 24 घण्टे में पूरा करती है, जिसे पृथ्वी की **'घूर्णन/परिभ्रमण'** गति कहते हैं।

- जिसके कारण दिन व रात बनते हैं।

1. **21 जून.** को सूर्य कर्क रेखा पर सीधा चमकता है, अतः यह दिन सबसे **बड़ा दिन** होता है, **(उ. गोलार्द्ध में)**
2. **21 मार्च व 23 सितम्बर** को सूर्य भूमध्यरेखा पर होने के कारण **दिन व रात** की **अवधि समान** रहती है।
3. **22 दिसम्बर** को सूर्य मकर रेखा पर लम्बवत् होता है, अतः **रात बड़ी** व **दिन छोटा** होता है। **(द. गोलार्द्ध में)**

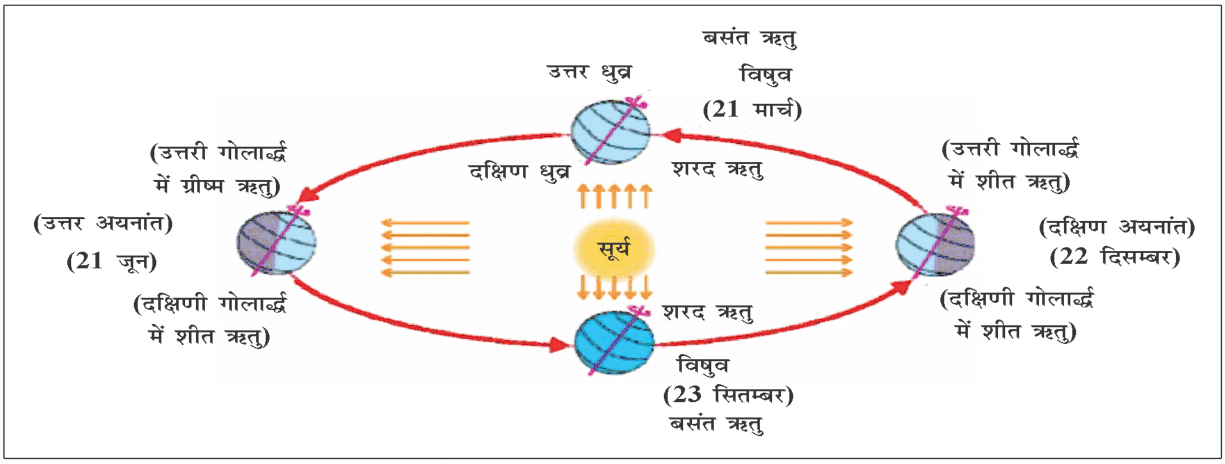

प्रज्ञान

- राजस्थान में सूर्य की सीधी किरणे बांसवाड़ा पर पड़ती है, क्योंकि यह कर्क रेखा पर स्थित है।
- सबसे तिरछी किरणे **गंगानगर पर** गिरती है क्योंकि यह कर्क रेखा से अधिक दूरी पर स्थित है।

❖ **राजस्थान में सूर्य के सीधेपन का आरोही (बढ़ता) क्रम।**

♦ गंगानगर → हनुमानगढ़ → डूंगरपुर → बांसवाड़ा

❖ **राजस्थान में सूर्य के तिरछेपन का आरोही क्रम-**

♦ बांसवाड़ा → डूंगरपुर → हनुमानगढ़ → गंगानगर

☞ नोट-माही नदी कर्क रेखा को 2 बार काटती है।

❖ **23° 1/2 उत्तरी अक्षांश-कर्क रेखा भारत के संदर्भ में-**

- कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है-गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा व मिजोरम।
- भारत में इसकी कुल **लम्बाई 2934 किमी. है।**
- कर्क रेखा की सर्वाधिक लम्बाई मध्यप्रदेश में है।

विश्व के संदर्भ में:
- 23°5 उत्तरी अक्षांश-कर्क रेखा विश्व के संदर्भ में।
- 0° अक्षांश-भूमध्य रेखा/विश्वत रेखा।
- 23°5 दक्षिणी अक्षांश-मकर रेखा।

कर्क रेखा विश्व के 17 देशों और 3 महाद्वीपों से गुजरती है		
उत्तरी. अमेरिका	**अफ्रीका**	**एशिया**
➢ मैक्सिको	➢ प. सहारा	➢ सऊदी अरब
➢ बहामास	➢ मारितानिया	➢ संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई)
	➢ माली	➢ ओमान
	➢ अल्जीरिया	➢ भारत
	➢ नाइजर	➢ बांग्लादेश
	➢ लीबिया	➢ म्यांमार
	➢ मिस्त्र	➢ चीन
		➢ ताइवान

भूमध्य रेखा विश्व के 13 देशों और 3 महाद्वीपों से गुजरती है		
दक्षिणी अमेरिका	**अफ्रीका**	**एशिया**
➢ इक्वाडोर	➢ गेबोन	➢ मालदीव
➢ कोलम्बिया	➢ कांगो	➢ इंडोनेशिया
➢ ब्राजील	➢ कांगो गणराज्य	➢ किरीबात्ती
	➢ केनिया	
	➢ सोमालिया	
	➢ साओटोम एण्ड प्रिंसेप	
	➢ युगांडा	

मकर रेखा विश्व के 10 देशों और 3 महाद्वीपों से गुजरती है		
दक्षिणी अमेरिका	**अफ्रीका**	**ऑस्ट्रेलिया**
➢ चिली	➢ नामीबिया	➢ ऑस्ट्रेलिया
➢ अर्जेंटीना	➢ बोत्सवाना	
➢ पैराग्वे	➢ द. अफ्रीका	
➢ ब्राजील	➢ मोजाम्बिक	
	➢ मेडागास्कर	

- **नोट**-**ब्राजील** से भूमध्य व मकर रेखाएँ गुजरती है।
- **नोट**- 0^0 अक्षांश व 0^0 देशांतर का मिलन **अटलांटिक महासागर** (नलद्वीप) में होता है।
- **नोट**- 180^0 व 0^0 देशांतर का मिलन **प्रशांत महासागर** में होता है।
- **नोट**-भारत की एकमात्र नदी **माही नदी** जो कर्क रेखा को 2 बार काटती है।
- **नोट**-**लिम्पोपो नदी (घड़ियाली नदी)** मकर रेखा को 2 बार काटती है।
- यह नदी **द. अफ्रीका व वोत्सवाना तथा द. अफ्रीका व जिम्बावे** के बीच सीमा बनाती है व **अरब सागर** में गिर जाती है।
- **नोट**-**कांगो नदी (जायरे नदी)** विषुवत रेखा को 2 बार काटती है।
- **नोट**-**नील नदी भूमध्य व कर्क रेखा** दोनो को काटती है।

कर्क रेखा

$23\frac{1^{\circ}}{2}$ उ. अक्षांश
कर्क रेखा
उत्तरी अमेरिका
मैक्सिको
बहामास
पश्चिमी सहारा
अल्जीरिया
लीबिया
मिस्र
मारितानिया
माली
नाइजर
चाड
अफ्रीका
सऊदी अरब
अरब अमीरात
ओमान
भारत
चीन
एशिया
ताइवान

भूमध्य रेखा और मकर रेखा

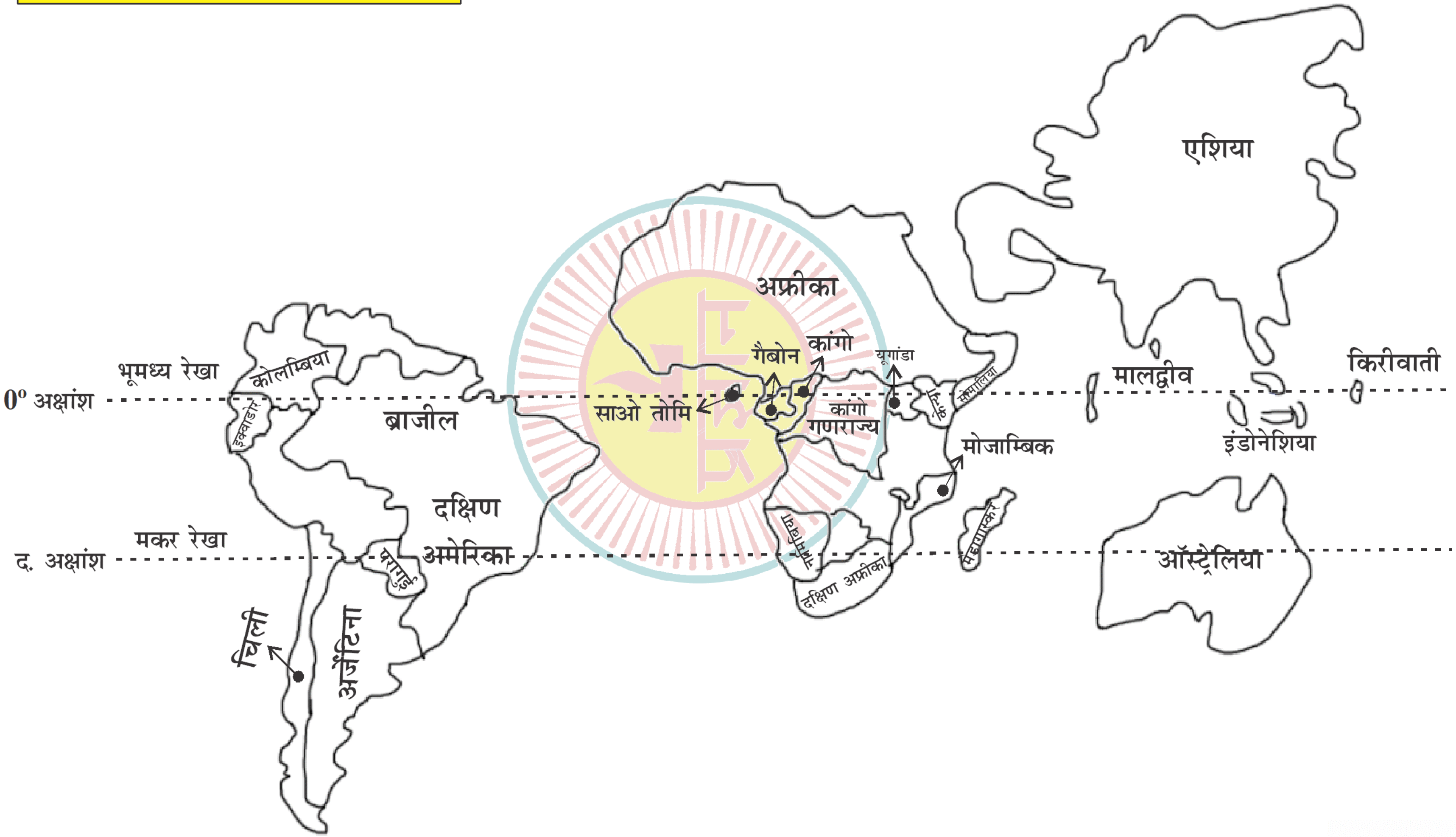

❖ **देशांतर :**

- पृथ्वी पर खींची गई काल्पनिक लम्बवत् रेखाओं को देशांतर रेखा कहते हैं दो देशांतरों के बीच की दूरी को अंशो में मापते हैं प्रत्येक अंश को पुनः मिनट और सेकण्ड में विभाजित किया जाता है। इनकी कुल ग्लोब पर कुल देशांतर रेखाओं की संख्या 360 है। देशांतर रेखाओं से किसी स्थान की स्थिति व समय का निर्धारण होता है इन रेखाओं को **समय रेखा** भी कहते हैं।

- भूमध्य रेखा पर दो देशांतरों के मध्य लगभग **111.32 किमी.** की दूरी होती है।

- दो देशांतरों के मध्य का भाग **गोरे** कहलाता है।

- 0^0 देशांतर रेखा मानचित्र को 2 भागों में बांटती है-पूर्वी गोलार्द्ध तथा पश्चिमी गोलार्द्ध।

❖ **0^0 देशांतर रेखा के अन्य नाम:-**

1. ग्रीनविच रेखा
2. याम्योत्तर रेखा
3. प्रधान माध्य रेखा
4. जुलू रेखा
5. अन्तर्राष्ट्रीय रेखा (GMT)

- 0^0 देशांतर रेखा लंदन के ग्रीनविच से प्रारम्भ की गई व देशों की स्थिति के अनुसार इसे कई बार मोड़ा गया। यह रेखा **ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, अल्जीरिया, माली, बुर्किना फासो, टोगो, घाना व अंटार्कटिका** से गुजरती है।

☞ **नोट**-180^0 देशांतर रेखा को **अंतर्राष्ट्रीय तिथि** रेखा कहा जाता है। 0^0 देशांतर के पूर्व में समय आगे रहता है व पश्चिम में पीछे रहता है।

- भारत का **देशांतरीय विस्तार–$68^o7'$ पूर्वी देशांतर से $97^o25'$ पूर्वी देशांतर** तक है। इसका देशांतरीय अंतराल $29^0 18'$ है। अर्थात् भारत में पूर्व से पश्चिम दिशा में 1 घण्टा 57 मिनट 12 सेकण्ड समय का अंतर पड़ता है।

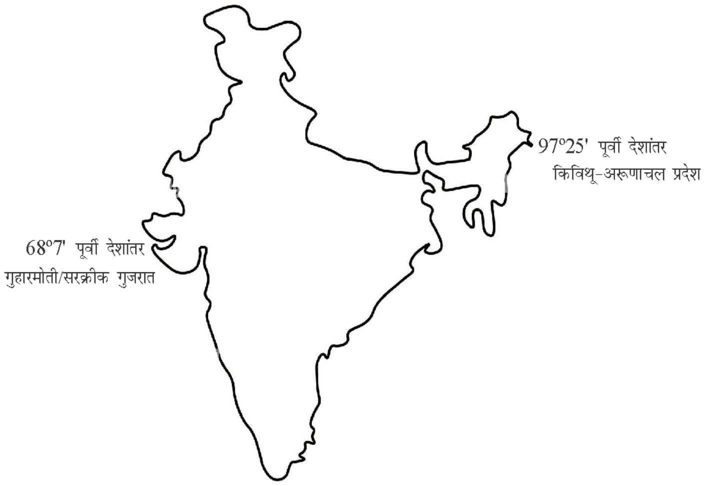

- $97^0 25' - 68^0 7' = 29^0 18'$ देशांतरीय अंतराल अर्थात् 1 घण्टा 57 मिनट 12 सेकण्ड का अंतर है।

- **भारत की मानक समय रेखा (IST)** = $82^0 30'$ पूर्वी देशांतर जो कि अंतर्राष्ट्रीय समय रेखा अर्थात् GMT से 5.30 घण्टे आगे हैं। यह रेखा भारत के इलाहाबाद के **नैनी (गोपीगंज)** से 5 राज्यों तक गुजरती है–

1. उत्तरप्रदेश
2. मध्यप्रदेश
3. छत्तीसगढ़
4. ओडिशा
5. आंध्रप्रदेश

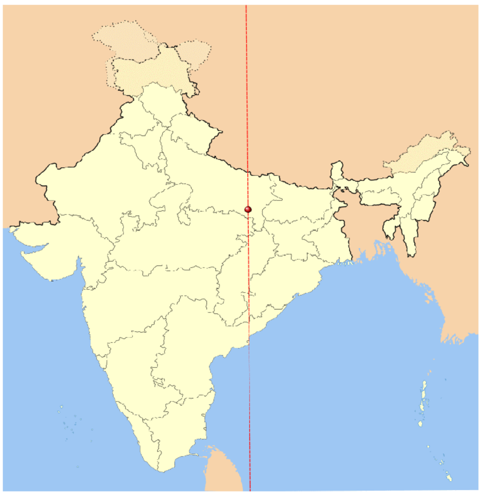

राजस्थान की सीमा

- राजस्थान की स्थलीय सीमा की लम्बाई **5920** किमी. है जो 2 भागों में बँटी हुई है-

सीमा (5920 किमी.)

- अन्तर्राष्ट्रीय
  - 1070 किमी. जो कुल लम्बाई की 18 प्रतिशत है।
- अन्तर्राज्यीय
  - 4850 किमी. अन्तर्राज्यीय सीमा पर पर 5 राज्य लगते हैं।
    - (न्यूनतम) पंजाब - 89 किमी.
    - हरियाणा - 1262 किमी.
    - यू.पी. - 877 किमी.
    - (अधिकतम) एम.पी. - 1600 किमी.
    - गुजरात - 1022 किमी.

प्रज्ञान

❖ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा :

- रेडक्लिफ रेखा **भारत व पाकिस्तान** के मध्य स्थित है।
- रेडक्लिफ का संस्थापक **सरसिरील जॉन रेडक्लिफ** को माना जाता है।
- रेडक्लिफ की स्थापना **15 अगस्त, 1947** को की गई।
- रेडक्लिफ की भारत के साथ कुल सीमा की लम्बाई **3323** किमी. है।
- रेडक्लिफ रेखा पर भारत के 2 केन्द्र शासित प्रदेश व 3 राज्य स्थित है।
- केन्द्रशासित प्रदेश - **जम्मू कश्मीर, लद्दाख।**
- राज्य-**पंजाब, राजस्थान, गुजरात।**
- रेडक्लिफ के साथ सर्वाधिक सीमा **राजस्थान** की लगती है तथा न्यूनतम सीमा **गुजरात** 510 किमी. की लगती है।
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा राज्य **राजस्थान** है।

- रेडक्लिफ के सर्वाधिक नजदीक राजधानी मुख्यालय **श्रीनगर** है।
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय **जयपुर** है।
- रेडक्लिफ रेखा पर क्षेत्रफल में सबसे छोटा राज्य **पंजाब** है।

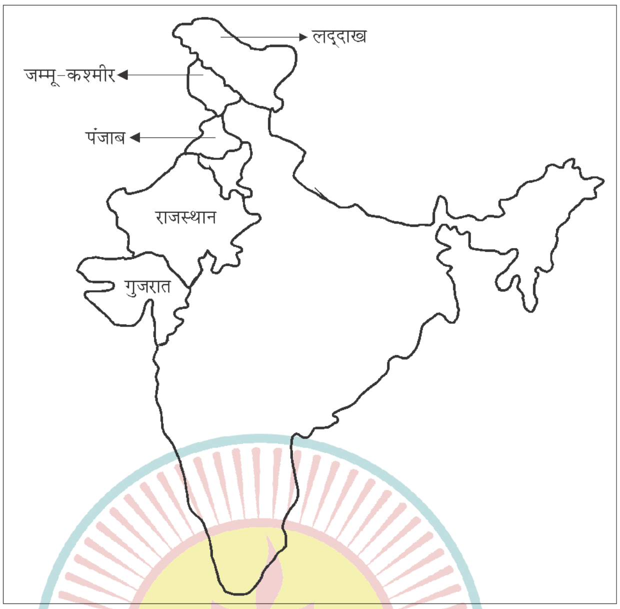

❖ **रेडक्लिफ रेखा की राजस्थान में स्थिति :**

- राजस्थान में रेडक्लिफ रेखा गंगानगर के **हिंदुमल कोट** से प्रारम्भ होकर **बाड़मेर, भलगांव, बाखासर, शाहगढ़** तक स्थित है।

❖ रेडक्लिफ रेखा की कुल लम्बाई राजस्थान में 39.32 प्रतिशत है।

- राजस्थान में जिलों के पुनर्गठन के पश्चात् अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले जिलों की कुल संख्या 5 हो गयी है जो इस प्रकार है–

☞ **श्रीगंगानगर** ☞ **बीकानेर** ☞ **फलौदी** ☞ **जैसलमेर** ☞ **बाड़मेर**

☞ **नोट-प्रिय विद्यार्थियों** आप सोच रहे होंगे कि फलौदी कैसे सीमा बनाता है, तो देखिए जिलों के पुनर्गठन से पूर्व ही जैसलमेर की तहसील पोकरण की उप-तहसील नौख जोधपुर के बाप क्षेत्र में सम्मिलित की गई व नवीन जिलों के गठन के बाद बाप फलौदी की तहसील है अत: फलौदी सीमावर्ती है। वैसे **नोख क्षेत्र में जालूवाला पटवार मण्डल क्षेत्र** आता है जिसके गांव अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर लगते हैं जो इस प्रकार है–

1. **मालासर**
2. **रायचंदवाला**

☞ **नोट-पाकिस्तान के साथ सीमा बनाने वाले जिलें : अनूपगढ़ जिला हटने के बाद पाकिस्तान के साथ राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और फलोदी जिले की सीमा लगेगी।**

☞ **नोट-रेडक्लिफ रेखा पर राज्य के 5 जिलों की 14 तहसीलें स्थित है-**

- **श्रीगंगानगर :** 1. गंगानगर, 2. करणपुर 3. रायसिंह नगर, 4. अनूपगढ़, 5. घड़साना, 6. रावला
- **बीकानेर :** 7. खाजूवाला 8. कोलायत
- **फलौदी :** 9. बाप (नोख)
- **जैसलमेर :** 10. जैसलमेर, 11. पोकरण
- **बाड़मेर :** 12. शिव, 13. रामसर, 14. चौहट्टन

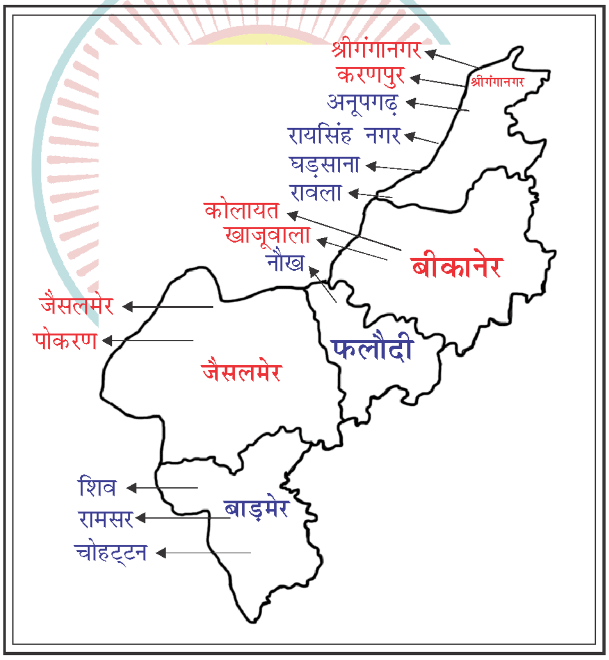

- रेडक्लिफ रेखा के साथ सर्वाधिक सीमा **जैसलमेर** की लगती है व सबसे कम **फलौदी** की लगती है।
- रेडक्लिफ रेखा के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **गंगानगर** है।
- रेडक्लिफ पर सर्वाधिक दूर जिला मुख्यालय **बीकानेर** है।
- रेडक्लिफ पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **जैसलमेर** व सबसे छोटा जिला **श्रीगंगानगर** स्थित है।
- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा से दूर का जिला मुख्यालय **धौलपुर** है।

- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा पर लम्बाई की दृष्टि से आरोही क्रम (बढ़ते हुए)के जिले-**

  फलौदी < बीकानेर < गंगानगर < बाड़मेर < जैसलमेर

- **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा पर लम्बाई की दृष्टि से अवरोही क्रम (घटते क्रम) के जिले-**

  जैसलमेर > बाड़मेर > गंगानगर > बीकानेर > फलौदी

❖ **जिलों की स्थिति के आधार पर क्रम :**

☞ **नोट**-अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित कुल जिलों की संख्या **5-गंगानगर, बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर ।**

☞ **नोट**- अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तराज्यीय सीमा पर स्थित जिलों की संख्या **2- गंगानगर, बाड़मेर।**

☞ **नोट**-केवल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिलों की संख्या **3-बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर।**

राजस्थान के साथ पाकिस्तान की स्थिति

❖ **राजस्थान के साथ पाकिस्तान के 2 राज्यों की सीमा लगती है।**

1. पंजाब प्रांत – **लाहौर**

2. सिंध – **करांची**

- राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा **पंजाब** प्रांत की लगती है व न्यूनतम सीमा **सिंध** की लगती है।

- राजस्थान की सीमा के नजदीक राजधानी मुख्यालय **लाहौर** व दूर राजधानी मुख्यालय **कराची** है।

- राजस्थान की सीमा में क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा राज्य **पंजाब** व छोटा राज्य **सिंध** है।

- रेडक्लिफ रेखा पर पाकिस्तान के **9** जिलें स्थित है–

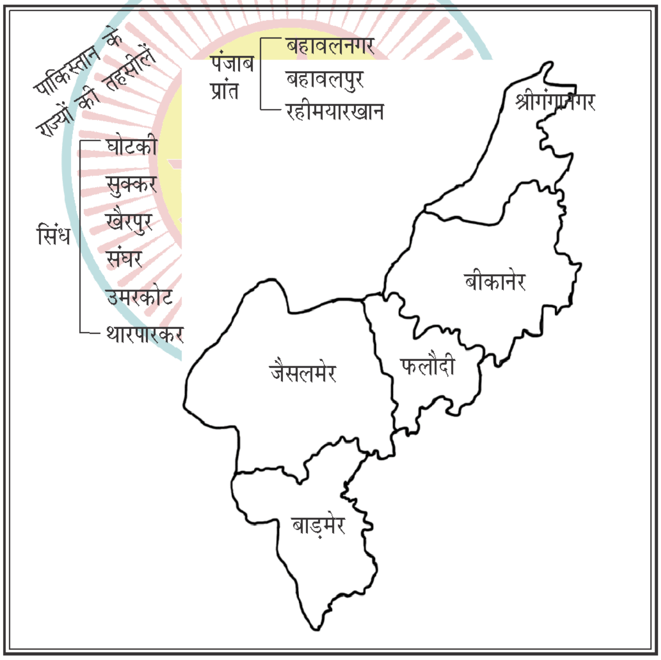

- राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा **बहालवनगर** जिले की लगती है तथा सबसे कम **उमरकोट** की लगती है।

- राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **बहावलपुर** व छोटा जिला **सुक्कर** है।

- राजस्थान के जिलों की निम्न तहसीलें **पाकिस्तान** की सीमा को छूती है।

गंगानगर करणपुर रायसिंह नगर अनूपगढ़	बहावलनगर	पोकरण जैसलमेर	रहीमयारखान
घड़साना रावला खाजूवाला कोलायत बाप (नौख) पोकरण	बहावलपुर		

जैसलमेर ➪ घोटकी, सुक्कर, खैरपुर, संघर
शिव ➪ संघर, उमरकोट
रामसर ➪ उमरकोट
चोहट्टन ➪ थारपारकर

❖ राजस्थान व पाकिस्तान की सीमावर्ती तहसील :

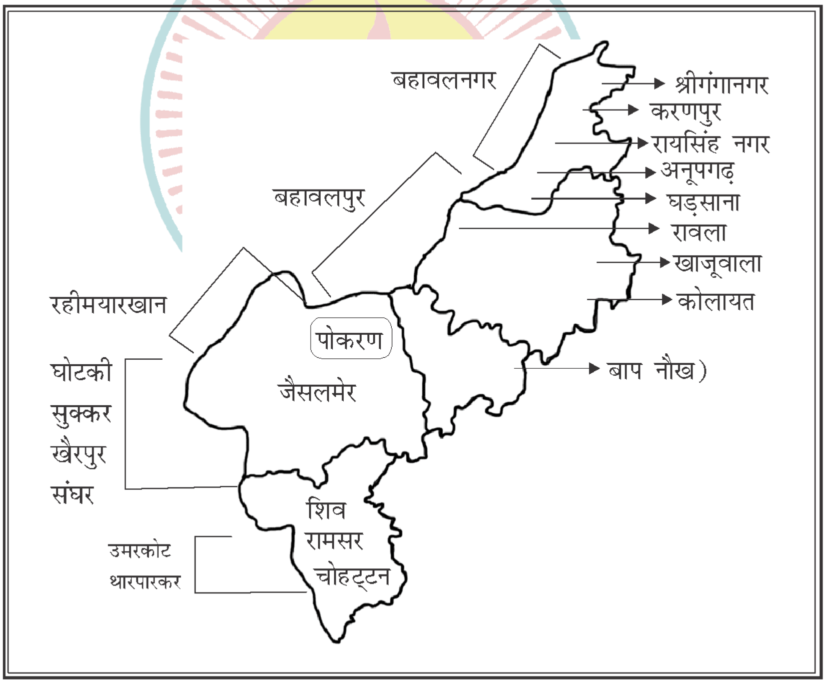

❖ नए जिलों की स्थिति :

- राजस्थान के जिलों की संख्या 41 (28, 13) है।
- राजस्थान के कुल सीमावर्ती जिलों की संख्या – 28

- राजस्थान के कुल अन्तवर्ती जिलों की संख्या–13
- केवल अन्तर्राज्यीय सीमा पर स्थित जिलों की संख्या – 26
- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिलों की संख्या – 05
- केवल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिलों की संख्या – 03
- अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय सीमा पर स्थित जिलें – 02

♦ गंगानगर – **पाकिस्तान + पंजाब**

♦ बाड़मेर – **पाकिस्तान + गुजरात**

प्रज्ञान

राजस्थान की अन्तर्राज्यीय सीमा

- राजस्थान की सीमा पर पड़ोसी राज्यों की संख्या 5 है जिनके साथ 4850 किमी. की सीमा बनती है। ये इस प्रकार है-

1. **पंजाब**- लम्बाई 89 किमी. राजस्थान की उत्तर दिशा में स्थित है।
2. **हरियाणा**- लम्बाई 1262 किमी. राजस्थान की उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है।
3. **उत्तरप्रदेश**- लम्बाई 877 किमी. राजस्थान की उत्तर-पूर्व की दिशा में स्थित है।
4. **मध्यप्रदेश** - लम्बाई 1600 किमी. राजस्थान की दक्षिण पूर्व दिशा में स्थित है।
5. **गुजरात** - लम्बाई 1022 किमी. राजस्थान की दक्षिण पश्चिम दिशा में स्थित है।

☞ **नोट**-राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा एम.पी. की लगती है व न्यूनतम सीमा पंजाब की लगती है।

☞ **नोट**-राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा राज्य एम.पी. है व छोटा राज्य हरियाणा है।

☞ **नोट**-राजस्थान की सीमा के नजदीक राजधानी मुख्यालय गांधीनगर, गुजरात है जबकि दूर राजधानी मुख्यालय लखनऊ, यू.पी. है।

❖ **दो राज्यों की सीमा को स्पर्श करने वाले जिलें-**

1. **हनुमानगढ़** - पंजाब + हरियाणा
2. **डीग** - हरियाणा + यू.पी.
3. **धौलपुर** - यू.पी. + एम.पी.
4. **बांसवाड़ा** - एम.पी. + गुजरात

➯ 5 राज्यों के जिले जो राजस्थान के साथ सीमा बनाते हैं :

- ❖ **पंजाब** - पंजाब के 2 जिले राजस्थान के साथ व राजस्थान के **2 जिले पंजाब** के साथ सीमा बनाते हैं।

- **राजस्थान** : गंगानगर, हनुमानगढ़
- **पंजाब** : फाजिल्का, मुक्तसर

- ❖ **हरियाणा**-हरियाणा के 7 जिलें राजस्थान के साथ व राजस्थान के **7 जिलें हरियाणा** के साथ सीमा बनाते हैं।

- **राजस्थान**-हनुमानगढ़, चुरू, झुंझुनूं, कोठपुतली, बहरोड़, खैरथल-तिजारा, अलवर, डीग।
- **हरियाणा**-सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, मेवात।

- ❖ **उत्तरप्रदेश**-यू.पी. के 2 जिले व **राजस्थान के 3 जिले** अन्तर्राज्यीय सीमा बनाते हैं।

- **राजस्थान** - डीग, भरतपुर, धौलपुर।
- **उत्तरप्रदेश** - आगरा, मथुरा।

- ❖ **मध्यप्रदेश**-एम.पी. के 10 जिले व **राजस्थान के 10** जिले अन्तर्राज्यीय सीमा बनाते हैं।

- **राजस्थान** -धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, कोटा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा।
- **मध्यप्रदेश** - मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगरमालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ।

- ❖ **गुजरात** - गुजरात के 6 जिले व **राजस्थान के 6 जिले** अन्तर्राज्यीय सीमा बनाते हैं।

- **राजस्थान** - बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही, सांचौर, बाड़मेर।
- **गुजरात** - दाहोद, माही सागर, अरावली सागर, साबरकाठां, बनासकाठां, कच्छ।

❑ **पंजाब व राजस्थान :**

- पंजाब के दो जिले राजस्थान के साथ सीमा बनाते हैं **फाजिल्का व मुक्तसर**।

☞ **नोट**-राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा फाजिल्का की लगती है व सबसे कम मुक्तसर की लगती है।

☞ **नोट**-राजस्थान की सीमा के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **फाजिल्का** व दूर जिला **मुक्तसर** है।

☞ **नोट**-राजस्थान की सीमा पर सबसे बड़ा जिला **फाजिल्का** व सबसे कम **मुक्तसर** है।

❑ **राजस्थान व पंजाब :**

- राजस्थान के 2 जिलों की सीमा पंजाब के साथ लगती है-**गंगानगर, हनुमानगढ़**।
- **पंजाब** के साथ सर्वाधिक सीमा **गंगानगर** की लगती है व हनुमानगढ़ की कम सीमा लगती है।

☞ **नोट**-**पंजाब** की सीमा में सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **गंगानगर** है।

☞ **नोट**-पंजाब की सीमा पर क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला **हनुमानगढ़** व सबसे छोटा **गंगानगर** है।

☞ **नोट-प्रिय विद्यार्थियों** पहले गंगानगर बड़ा जिला था, लेकिन नया राजस्थान बनने से **गंगानगर अनूपगढ़** में बंट गया। जिससे बड़ा जिला **हनुमानगढ़** बन गया।

❑ **राजस्थान व हरियाणा :**

- राजस्थान के 8 जिलों की सीमा **हरियाणा** के साथ लगती है।
- हरियाणा के साथ सर्वाधिक सीमा **हनुमानगढ़** की लगती है व न्यूनतम सीमा **अलवर** की लगती है।
- हरियाणा की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **चुरू** व छोटा जिला **खैरथल-तिजारा** है।

❑ **हरियाणा व राजस्थान :**

- हरियाणा के **7 जिलों की सीमा** राजस्थान के साथ लगती है।
- राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा **महेन्द्रगढ़** व न्यूनतम **फतेहबाद** की लगती है।
- राजस्थान की सीमा पर सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **महेन्द्रगढ़** व दूर **भिवानी** है।
- राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **सिरसा** व छोटा **रेवाड़ी** है।

प्रज्ञान

❐ राजस्थान व उत्तरप्रदेश :

- नये राजस्थान में **यू.पी. के साथ 3 जिलों** की सीमा लगती है।
- यू.पी. के साथ सर्वाधिक सीमा **भरतपुर** व न्यूनतम **डीग** की लगती है।
- यू.पी. की सीमा के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **डीग** व दूर **धौलपुर** है।
- यू.पी. की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **धौलपुर** व छोटा जिला **डीग** है।

❐ उत्तरप्रदेश व राजस्थान :

- यू.पी. के 2 जिले राजस्थान के साथ सीमा बनाते हैं-**मथुरा, आगरा**।
- राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा **आगरा** व न्यूनतम **मथुरा की लगती** है।
- राजस्थान की सीमा के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **मथुरा** व दूर **आगरा** है।
- राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **आगरा** है।

❐ राजस्थान व मध्यप्रदेश :

- राजस्थान के **10 जिले एम.पी.** के साथ सीमा बनाते हैं।
- एम.पी. के साथ सर्वाधिक सीमा **झालावाड़** व न्यूनतम सीमा **भीलवाड़ा** की लगती है।
- एम.पी. की सीमा के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **धौलपुर** व दूर का जिला मुख्यालय **भीलवाड़ा** है।
- एम.पी. की सीमा पर क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **चित्तौड़गढ़** व न्यूनतम **धौलपुर** है।

☞ **नोट**-**चित्तौड़गढ़ व कोटा** जिले की सीमा एम.पी. के साथ 2 बार लगती है।
16 अगस्त, 2013 को एम.पी. का 51वां जिला **आगरमालवा** बनाया गया जो **शहाजपुर** से अलग हुआ था।

❐ मध्यप्रदेश व राजस्थान :

- मध्यप्रदेश के 10 जिलों की सीमा राज. के साथ लगती है।
- राज. के साथ सर्वाधिक सीमा **नीमच** व न्यूनतम **झाबुआ** की लगती है।
- राज. की सीमा पर नजदीक जिला मुख्यालय **मंदसौर** व दूर जिला मुख्यालय **रतलाम** है।
- राज. की सीमा पर क्षे. में सबसे बड़ा जिला **शिवपुरी** व छोटा जिला **आगरमालवा** है।

प्रज्ञान

❐ **राजस्थान व गुजरात :**

- राजस्थान के 6 जिलों की सीमा गुजरात के साथ लगती है।
- गुजरात के साथ सर्वाधिक सीमा **उदयपुर** व न्यूनतम सीमा **बाड़मेर की लगती है।**
- गुजरात की सीमा पर सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **सांचौर** व दूर **बाड़मेर** है।
- गुजरात की सीमा पर क्षे. में सबसे बड़ा जिला **बाड़मेर** व छोटा **डूंगरपुर** है।

❐ **गुजरात व राजस्थान :**

- गुजरात के 6 जिले राजस्थान के साथ सीमा बनाते हैं।
- राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा **बनासकांठा** व न्यूनतम सीमा **कच्छ** के साथ लगती है।
- राजस्थान की सीमा पर सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **बनासकांठा** व दूर **कच्छ का रण** है।
- राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला **कच्छ का रण** व छोटा जिला **माहीसागर** है।

☞ **नोट**–13 अगस्त, 2015 को गुजरात के 2 नए जिले बने **महीसागर** व **अरावली सागर**।

☞ **नोट**–राजस्थान की अन्तर्राज्यीय सीमा बनाने वाले जिलों की संख्या **25** है।

- सर्वाधिक अन्तर्राज्यीय सीमा बनाने वाला जिला **झालावाड़ (520 किमी.)** है व न्यूनतम सीमा बनाने वाला जिला **बाड़मेर (14 किमी.)** है।
- अन्तर्राज्यीय सीमा के दूर जिला मुख्यालय **बाड़मेर** है।

☞ **नोट**–सर्वाधिक लम्बी स्थलीय सीमा **झालावाड़ (520 किमी.)** की है व न्यूनतम सीमा **भीलवाड़ा (16 किमी.)** की है।

- **कोटा**–राजस्थान का वह जिला जो एक राज्य के साथ दो बार सीमा बनाता है एवं अविखण्डित जिला है।
- **चित्तौड़गढ़**–ये एक राज्य के साथ दो बार सीमा बनाता है एवं यह खण्डित जिला है।

☞ **नोट**–**चित्तौड़गढ़** को दो भागों में विभाजित करने वाला जिला **भीलवाड़ा** है।

***